आठवीं मेरिट लिस्ट आज होगी जारी

आरा। वीरकुंवरसिंह विश्वविद्यालय में स्नातक पार्ट वन सत्र 2020-23 में नामांकन के लिए आठवीं मेरिट लिस्ट का प्रकाशन सोमवार को जारी किया जायेगा। इस लिस्ट से 13 से 19 अक्टूबर तक नामांकन होगा। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो केके सिंह ने बताया कि ऐसे विद्यार्थी जिनका नाम मेधा सूची में है। वे निर्धारित तिथि तक नामांकन करा लें। क्योंकि नामांकन के लिए इच्छित विषयों की सीटें फुल हो चुकी है। विवि में अभी तक विभिन्न 17 अंगीभूत व 43 संबद्ध कॉलेजों में करीब 61 हजार नामांकन हो चुका है।

सीटों की कमी के चलते विद्यार्थियों के भविष्य पर संकट, अबतक 60 हजार विद्यार्थियों का ही हो सका है नामांकन

स्नातक की पढ़ाई से 60 हजार विद्यार्थी होंगे वंचित

आरा | निज प्रतिनिधि

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कॉलेजों में स्नातक में दाखिला 12वीं पास करने वाले विद्यार्थियों के लिए दर्द बन गया है। अंदेशा जताया जा रहा है कि करीब 60 हजार विद्यार्थी इस बार स्नातक में दाखिला लेने से वंचित रह जाएंगे। सीटों की कमी के चलते इन विद्यार्थियों की स्नातक की पढ़ाई करने की उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा है।

मालूम हो कि वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक पार्ट वन सत्र 2020-23 में एडमिशन के लिए सातवीं मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। स्नातक में एडमिशन अब अंतिम चरण में है। जिस प्रकार की स्थिति एडमिशन में है, उससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस साल भी विद्यार्थी एडमिशन से वंचित होंगे। बता दें कि वीर कुंवर सिंह विवि में दाखिले के लिए इस साल पूर्व की अपेक्षा अधिक भीड़ थी। उम्मीद भी थी कि इस साल अधिक सीटों पर नामांकन होगा। स्थिति यह है कि अभी तक सातवीं मेधा सूची से करीब 60150 हजार छात्र-छात्राओं का नामांकन हो पाया है। मालूम हो कि विगत साल की अपेक्षा सत्र 2020-23 में करीब 30 हजार अधिक आवेदन आये थे। विगत सत्र 2019-22 में स्नातक में एक लाख 20 हजार आवेदन आए थे, जबकि इस साल एक लाख 30 हजार ऑनलाइन आवेदन मिले, जबकि इस वर्ष लॉक डाउन भी रहा। एडमिशन की बात करें तो विगत वर्ष में स्नातक में करीब 60 हजार नामांगन हुआ था। इस बार ऑनर्स और पास कोर्स की 74 हजार सीटें हैं। सीटों के अनुपात में करीब 60 हजार छात्र-छात्राएं नामांकन से वंचित रह जाएंगे।

वाणिज्य संकाय में ऑप्शन बदलने का मिला मौकाः जिन छात्रों का अभी तक किसी भी मेरिट लिस्ट में नाम नहीं आया है या किसी कारण से उन्होंने अपना नामांकन नहीं कराया है और अगर उनका इंटरमीडिएट विज्ञान या कला में प्राप्तांक 50 फीसदी से ऊपर है या वाणिज्य के अकाउंटेंसी में प्राप्तांक 45 फीसदी से ऊपर है तो वे वीर कुंवर सिंह विवि के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों में जहां पर बीकॉम की पढ़ाई होती है।

आरा में हैं 11 हजार सीटें

विवि अंतर्गत आने वाले आरा के पांच अंगीभूत और एक संबद्धता प्राप्त तपेश्वर सिंह इंदू महिला महाविद्यालय में करीब 11 हजार सीटें हैं। इसमें अधिकतर सीटें पांचवीं मेधा सूची से फुल हो गई हैं। सातवीं मेधा सूची से नामांकन आगामी 11 अक्टूबर तक होना है। सूत्रों ने बताया कि सातवीं मेधा सूची में बहुत कम छात्र-छात्राओं के नाम शामिल हैं। इसलिए नामांकित छात्र-छात्राओं की तादाद में खास बढ़ोतरी नहीं हो पायेगी। आठवीं मेरिट लिस्ट 13 को जारी होगी, जबकि पास कोर्स में 15 को नामांकन होगा।

कुछ विषयों में रुचि नहीं होने से सीटें रह जाती हैं रिक्त

एक तरफ वीर कुंवर सिंह विवि में हजारों छात्र-छात्राओं को नामांकन के लिए कॉलेज नहीं मिलता है। वहीं दूसरी ओर विवि के विभिन्न संकायों में करीब 10 हजार से अधिक सीटें नामांकन के अभाव में रिक्त रह जाती हैं। क्योंकि, उन सीटों पर छात्र-छात्राएं नामांकन लेना नहीं चाहते हैं। इस तरह के करीब पांच सीटें कला संकाय के पास कोर्स में हैं। उसी तरह वाणिज्य संकाय के पास कोर्स में भी करीब 3500 सीटें नामांकन के अभाव में रिक्त रह जाती हैं। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो केके सिंह ने बताया कि पीसी कॉलेज बक्सर, बीएसएस कॉलेज बचरी, जगजीवन कॉलेज डेहरी-ऑन-सोन और आरएस कॉलेज भगवानपुर, कैमूर में सिर्फ पास कोर्स की पढ़ाई होती है। इन कॉलेजों में करीब छह हजार सीटें पास कोर्स की हैं, लेकिन मुश्किल से छह सौ नामांकन हो पायेगा, क्योंकि पास कोर्स में नामांकन के लिए छात्र-छात्राओं में दिलचस्पी नहीं है। इस तरह से कैमूर व रोहतास जिलों के विभिन्न कॉलेजों में वाणिज्य संकाय के पास कोर्स के लिए करीब तीन हजार सीटें हैं, जिनमें 10 प्रतिशत ही नामांकन होता है, जबकि भोजपुर जिले के कॉलेजों में वाणिज्य संकाय की सभी सीटें भर जाती हैं।

आर्ट्स में भी कई विषयों में सीटें रह जाती हैं खाली

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में आर्ट्स के इतिहास, राजनीतिशास्त्र, भूगोल, मनोविज्ञान,विज्ञान के भौतिकी, रसायन, जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान आदि में नामांकन के लिए मारामारी है। वहीं संस्कृत, हिंदी, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, मानव विज्ञान आदि में नामांकन के लिए छात्र-छात्राएं ही नहीं मिल रहे हैं। इस कारण इन विषयों के करीब दो से तीन हजार से अधिक सीटें रिक्त रह जाती है। हालांकि इस बार ओपन ऑफर लेटर से सीटें भरने की तैयारी है।